



DR. SUKAMA ACHARYA

Dr. Sukama Acharya, Principal of Vishvavara Kanya Gurukul Rurki (Distt. Rohtak) in Haryana, is known for her contribution towards girl's education.

2. Born on 1st October, 1961, Dr. Sukama received her Shastri degree (an Honours degree in Sanskrit), in 1978, her Vyakaranacharya degree (a Master's degree in Sanskrit Grammar) in 1980, her Vedacharya degree (a Master's degree in Vaidik Studies) in 1984 from Shrimad Dayanand Aarsh Vidyapeeth, Gurukul Jhajjar (Haryana) and received her Ph.D. degree on the topic "Vaidic Indra Devata" in 1987 from Gurukul Kangri University, Haridwar.

3. Realising that the current system of education is primarily materialistic and fails to impart moral and spiritual values in young learners, Dr. Sukama decided to dedicate her life to the upliftment of womenfolk by initiating young girls into the age-old Gurukul system of Vedic and scriptural learning in addition to the routine syllabi. She, along with her colleague, Dr. Sumedha, set up Shrimad Dayanand Kanya Gurukul Mahavidyalaya at Chotipura in Uttar Pradesh in 1988. Both of them strove hard and jointly ran this institution successfully for 30 years from 1988 to 2017. In order to benefit students in Haryana state too, Dr. Sukama started another Gurukul by the name Vishvavara Kanya Gurukul at Rurki near Rohtak in the year 2018, which provides education to girl students beginning from post-primary stage up to graduation level. Besides, this institute lays special emphasis on the study of Sanskrit Grammar and Sanskrit Literature in addition to the syllabi. Thus, the education being imparted to the girls here is in accordance with the ancient Gurukul system expecting the students to lead a life of devotion to traditional values of Indian culture.

4. Dr. Sukama has been ceaselessly working day and night to train young girls academically, ethically and culturally. She herself decided to remain single by not getting married. She has successfully revived the Vedic lore which reflects eternal values in this fast-changing society. This newly started Gurukul has already produced brilliant graduates who are propagating Indian culture and Sanskrit learning by serving in various schools, colleges and universities of the country.

5. Dr. Sukama has been conferred numerous awards and honours like Vikram Pratishthan (United States of America - 2000), Parammitra Manav Nirman Nyas, Delhi and Gurukul Ashram, Aamsena, Orissa (2004), Aryasamaj Santacruz, Mumbai (2008 and 2019), 'Aarsh Vidya Bhaskar' (International Arya Mahasammelan Mathura, November-2009), President Citation Award By Rotary Club Moradabad (2010), National Vedavidushi Award (Aryasamaj Bhubaneswar, Orissa - 2014), Gurukul Jhajjar, Haryana (2017), Sanskrit-Seva- Samman, Uttar Pradesh Sanskrit Sansthan (2018), Sarvadeshika Arya Pratinidhi Sabha (2018), Arya Abhinandan - The Pride of Arya Samaj (2018), Nari Shakti Samman - Janata TV Channel (2018), Padmabhushan Mahashay Dharmapal (MDH), Delhi Arya Pratinidhi Sabha (2019), Shrimad Dayananda Vedarsh Gurukul Gautam Nagar, Delhi (2020), Haryana Arya Pratinidhi Sabha and Ved Prachar Mandal, Sonapat, Haryana (2022).



डॉ. सुकामा आचार्या

हरियाणा के विश्वर कन्या गुरुकुल रुड़की (जिला रोहतक) की प्रधानाचार्य डॉ. सुकामा आचार्या को लड़कियों की शिक्षा में उनके योगदान के लिए जाना जाता है।

2. 1 अक्तूबर, 1961 को जन्मी, डॉ. सुकामा ने 1978 में शास्त्री उपाधि (संस्कृत में ऑनर्स डिग्री), 1980 में व्याकरणाचार्य उपाधि (संस्कृत व्याकरण में स्नातकोत्तर उपाधि), 1984 में श्रीमद् दयानंद आर्ष विद्यापीठ, गुरुकुल झज्जर (हरियाणा) से वेदाचार्य उपाधि (वैदिक अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि) तथा 1987 में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार से "वैदिक इंद्र देवता" विषय पर पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की।

3. डॉ. सुकामा ने अनुभव किया कि शिक्षा की वर्तमान प्रणाली मुख्य रूप से भौतिकवादी है और युवा विद्यार्थियों में नैतिक और आध्यात्मिक मूल्य प्रदान करने में विफल है, इसलिए उन्होंने युवतियों को नियमित पाठ्यक्रम के अलावा, शताब्दियों पुरानी वैदिक और आध्यात्मिक गुरुकुल प्रणाली में शिक्षित करके महिलाओं के उत्थान के प्रति अपना जीवन समर्पित करने का निर्णय किया। उन्होंने अपनी सहयोगी डॉ. सुमेधा के साथ 1988 में उत्तर प्रदेश के छोटीपुरा में श्रीमद् दयानंद कन्या गुरुकुल महाविद्यालय की स्थापना की। दोनों ने कड़ा परिश्रम किया और मिलकर 30 वर्ष अर्थात् 1988 से 2017 तक इस संस्था का सफलतापूर्वक संचालन किया। उन्होंने हरियाणा राज्य में भी छात्राओं के हितार्थ, वर्ष 2018 में रोहतक के पास रुड़की में विश्वर कन्या गुरुकुल नाम से एक और गुरुकुल शुरू किया, जहां प्राथमिक स्तर से लेकर स्नातक स्तर तक की छात्राओं को शिक्षा प्रदान की जाती है। इसके अलावा, यह संस्थान पाठ्यक्रम के अलावा संस्कृत व्याकरण और संस्कृत साहित्य के अध्ययन पर विशेष बल देता है। इस प्रकार, बालिकाओं को यहां दी जा रही शिक्षा प्राचीन गुरुकुल प्रणाली के अनुसार है, जिसमें विद्यार्थियों से भारतीय संस्कृति के पारंपरिक मूल्यों के प्रति निष्ठापूर्ण जीवन जीने की अपेक्षा की जाती है।

4. डॉ. सुकामा युवतियों को अकादमिक, नैतिक और सांस्कृतिक रूप से प्रशिक्षित करने के लिए दिन-रात कार्य कर रही हैं। उन्होंने आजीवन अविवाहित रहने का निर्णय किया। उन्होंने तेजी से बदलते समाज में शाश्वत मूल्य परिलक्षित करने वाली वैदिक विद्या को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया है। इस नवस्थापित गुरुकुल ने कुशाग्र स्नातक तैयार किए हैं जो देश के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सेवा करके भारतीय संस्कृति और संस्कृत शिक्षा का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं।

5. डॉ. सुकामा को अनेक पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं जिनमें विक्रम प्रतिष्ठान (संयुक्त राज्य अमेरिका-2000); परममित्र मानव निर्माण न्यास, दिल्ली और गुरुकुल आश्रम, आमसेना, उड़ीसा (2004); आर्यसमाज सांताक्रुज़, मुंबई (2008 और 2019); आर्ष विद्या भास्कर' (अंतरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन मथुरा, नवंबर-2009); रोटरी क्लब मुरादाबाद द्वारा राष्ट्रपति प्रशस्ति पत्र पुरस्कार (2010); राष्ट्रीय वेदविदुषी पुरस्कार (आर्यसमाज भुवनेश्वर, उड़ीसा-2014); गुरुकुल झज्जर, हरियाणा (2017); संस्कृत-सेवा-सम्मान, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान (2018); सर्वदेशिका आर्य प्रतिनिधि सभा (2018), आर्य अभिनंदन-द प्राइड ऑफ आर्य समाज (2018); नारी शक्ति सम्मान-जनता टीवी चैनल (2018), पद्मभूषण महाशय धर्मपाल (एमडीएच); दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा (2019); श्रीमद् दयानंद वेदार्ष गुरुकुल गौतम नगर, दिल्ली (2020); हरियाणा आर्य प्रतिनिधि सभा और वेद प्रचार मंडल, सोनीपत, हरियाणा (2022) शामिल हैं।